

बाधा

- ① नई तकनीकी
- ② पूँजी,
- ③ Employment / रोजगार
- ④ Infrastructure / मूलभूत ढांचे में कमी
- ⑤ सरकार के प्राप्ति में वृद्धि / Revenue

8th FYP → 1992-1997 :-

most successful object → Human development / मानव विकास
↓
सामाजिक न्याय

9th FYP → 1997-2002 →

object :- Growth with Economic stable
विकास एवं आर्थिक स्थिरता

10th FYP → 2002-2007 →

object :- Inclusive Growth समावेशी विकास
तेज एवं अधिक समावेशी विकास

11th FYP → 2007-2012 →

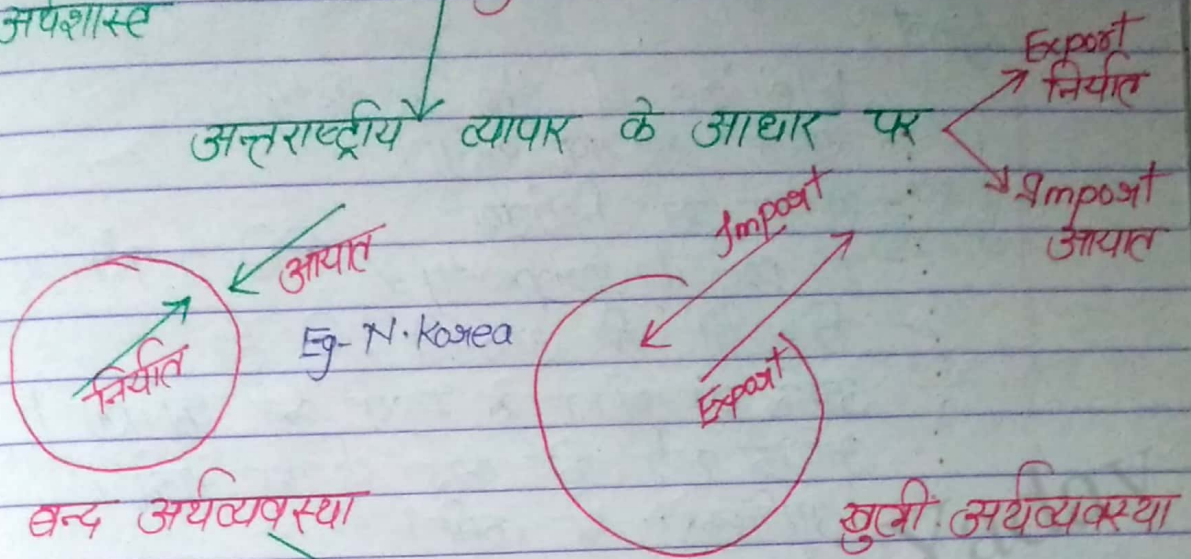
Maximum Growth object :- Faster and more Inclusive Growth
तेज, सतत एवं अधिक समावेशी विकास

12th FYP → 2012-2017 →

object :- Faster, sustainable & more inclusive
तेज, सतत एवं अधिक समावेशी विकास

Economics → **Economy** / अर्थव्यवस्था
अर्थशास्त्र

अन्तराष्ट्रीय व्यापार के आधार पर



Before 1991 → India

वन्द अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है, जिसमें आयात एवं निर्यात पर व्यापार बन्द होते हैं।

खुली अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था होती है जिसमें कोई प्रतिबन्ध नहीं है, खुली अर्थव्यवस्था कहलाती है।

“संसाधनों के स्वामित्व के आधार पर अर्थव्यवस्था”

Capitalism
पूंजीवाद

①

e.g: USA

Capitalistic Economy

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था / स्वतंत्र बाजार अर्थव्यवस्था

Object :- लाभ को अधिकतम करना

विशेषता :- सरकारी नियंत्रण नहीं होता है।

:- निजी स्वामित्व

:- Consumers have freedom of options
विकल्पों की आजादी

:- अधिक आविष्कार हुए

:- अमीर एवं गरीब के मध्य
अधिक फासला होगा।

:- संसाधनों का अधिक
दोहन होगा।

:- अल्प समय के लिए
एकाधिकार

Father of → John Maynard Keynes → Given → e.g. USSR
 29/11/2019
 Page No.:
 Date:
 Command Economy / Planned Economy / निर्देशित अर्थव्यवस्था / नियोजित
 object:-

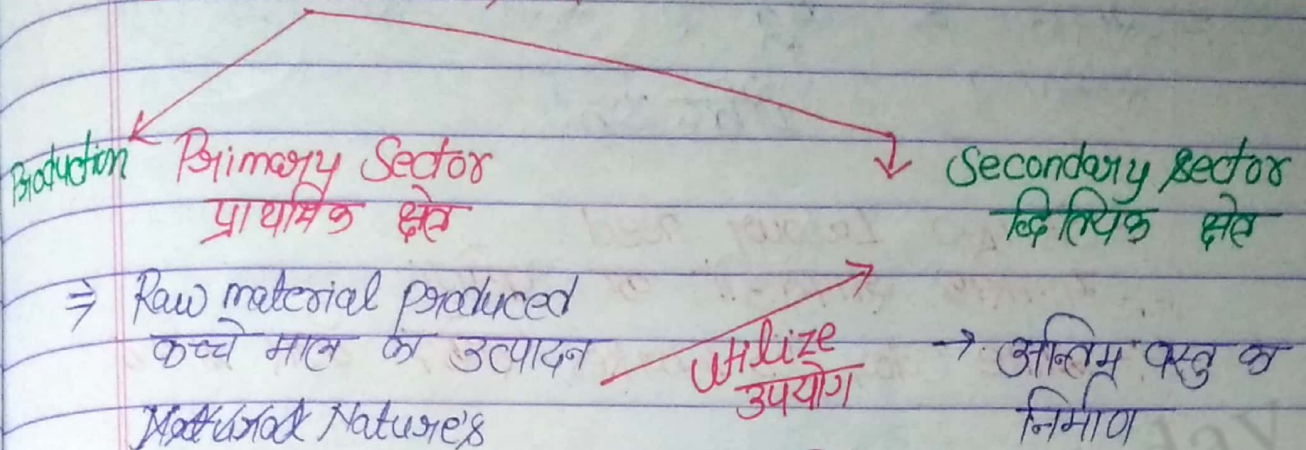
- :- Welfare of the society
- :- समाज कल्याण करना।
- :- सरकार का नियंत्रण
- :- No private property / नीति प्रापक नहीं
- :- विकल्पों की आजादी नहीं है।
- :- अमीर एवं गरीब के मध्य कम फासना।
- :- अधिक कार्य को कोई इनाम नहीं।
- :- आपिकरों की कमी।
- :- संसाधनों का दोहन नहीं।

Monopoly / एकाधिकार → nepotism
 → Red Tapisism
 → Corruption / भ्रष्ट

③ 1929 :- Father → Mixed economy
 ↓
 J.M. Keynes जे. एम. कीन्स

:- Private + Public sector → E.g.:- India
 also नीति सरकारी क्षेत्र
 कमी / Demit

Sectors of Economy :- (अर्थव्यवस्थाओं के प्रकार) :-



Gift is converted in to produced
प्रकृति द्वारा प्रदत्त उपहारों का प्रयोग वस्तु का निर्माण

विशेषता →

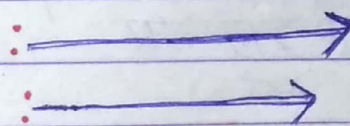
- ① Unskilled Labour / अशिक्षित श्रमिक
- ② शारीरिक शक्तियों का प्रयोग
- ③ लाल काल श्रमिक

Eg:- कृषि, पशुपालन, मृगीपालन
मछली पालन, खनन

विशेषता :-

- ① Semi skilled labour / अर्ध कौशल श्रमिक
- ② अधिक मानसिक शक्तियों का प्रयोग करना पड़ता है।
- ③ नीली काल श्रमिक

eg: पत्थर
Wheat



Building
Bread

Tertiary Sector / तृतीयक क्षेत्र

:- सेवाओं का निर्माण

eg:- यातायात, दूरसंचार, बैंकिंग।

Service / सेवा :- सेवा एक सुविधा ही होती है।

विशेषता: ① यह अदृश्य होती है।

:- Can only be consumed when they performed
सेवाएँ कार्यान्वित होते समय उपभोग किया जाता है।

- :- सेवाएँ सेवाओं के संरक्षित नहीं किया जा सकता है
 - :- सेवाओं के पक्ष से अलग नहीं किया जा सकता।
- ↓
शारीरिक इकाई

- :- Skilled Laboury need
- :- मानसिक शक्तियों का प्रयोग
- :- White Collar Job Jobaker/सफेद कॉलर ब्रामिक

Quaternary Sector / चतुर्थ क्षेत्र

→ गैर लाभ गतिविधि

- e.g.
- ① Doctor's
 - ② Hospital
 - ③ Teachers

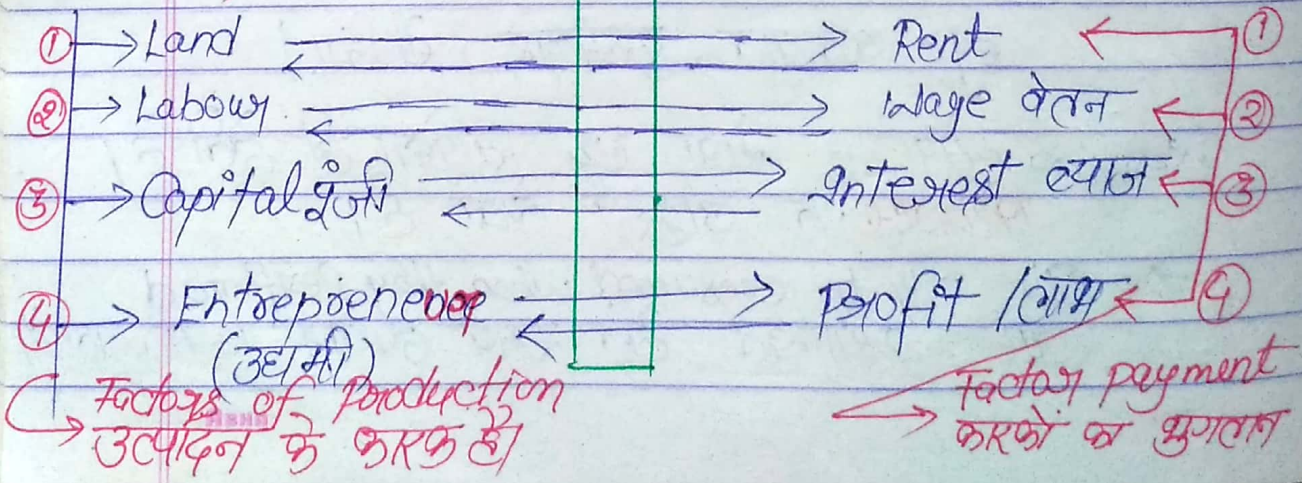
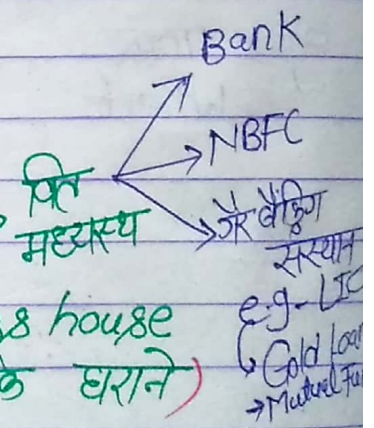
पंचम क्षेत्र / Quinary sector

→ Research & development
अनुसंधान पर

~~Economic~~ Economic Transactions:-
आर्थिक गतिविधियाँ :-

Household
(घरेलू)

Business house
(व्यापारिक घराने)



जमीन :-

अर्थशास्त्र में जमीन की परिभाषा विस्तृत होती है यहाँ जमीन का अर्थ होता है प्रकृति के द्वारा प्रदत्त कोई उपहार

Rent/ किराया

① Classical Theory परम्परागत सिद्धान्त

↓
इसके अनुसार किराया
केवल जमीन के बदले
लिया या दिया जाने
वाला किराया कहलायेगा।

② Modern Theory आधुनिक सिद्धान्त

↓
इसके अनुसार किराया
उत्पादन के किसी भी कारक
के लिए लिया या दिया जाने
वाला भुगतान होता है।

③ Imputed Rent इम्प्यूटेड किराया

स्वयं के सौसाधनों का उपयोग करते हुए जो
भुगतान बचा लिया जाता है उसे इम्प्यूटेड
किराया कहते हैं।

④ Quasi Rent अर्द्ध किराया

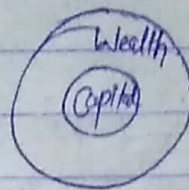
अर्द्ध किराया सिद्धान्त के अनुसार किसी भी संस्था
जो वास्तविक आय होती है उसे अर्द्ध किराया
कहते हैं।

29/11/2019

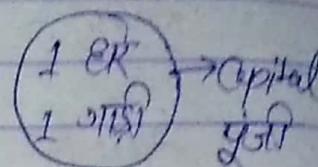
Page No.:
Date: / /

Capital / पूंजी

vs
Wealth धनसम्पदा



2 घर + 2 गाड़ी



पूंजी धनसम्पदा का वह हिस्सा होती जो किसी उत्पादन कार्य में संलग्न होता है।

पूंजी

Fixed Capital
निश्चित पूंजी

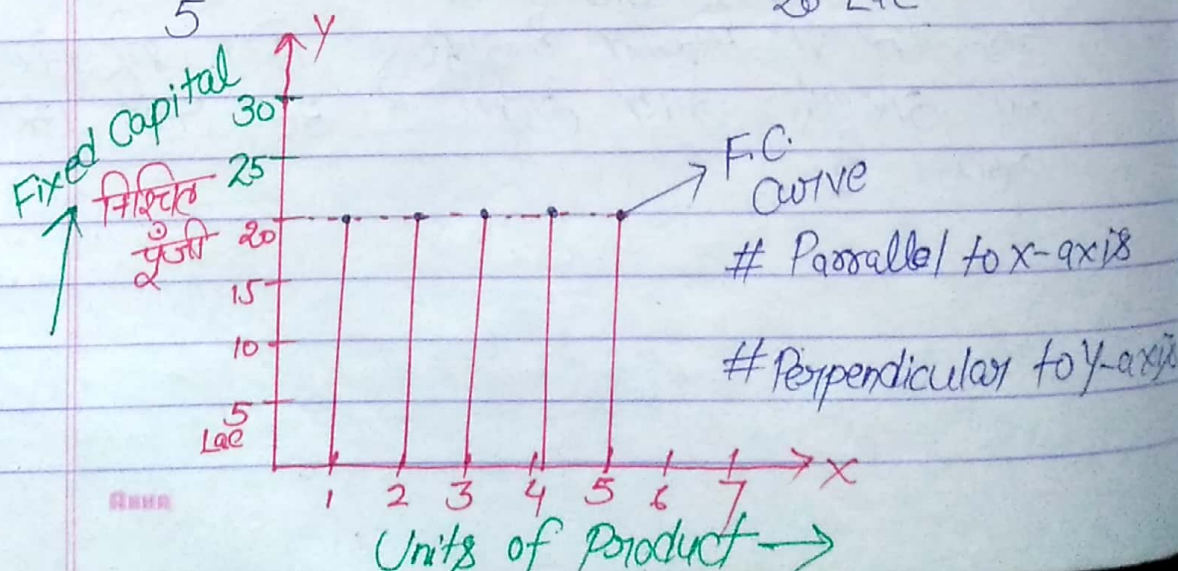
Working Capital / कार्यशील पूंजी

निश्चित पूंजी वह होती है, पूंजी का वह प्रकार होती है जो उत्पादन के निम्न स्तरों पर भी बदलती नहीं है।

उत्पादन की इकाई

निश्चित पूंजी

0	₹ 1ac
1	20 Lac
2	20 Lac
3	20 Lac
4	20 Lac
5	20 Lac



Q. एक पूंजी वक्र x-अक्ष पर एक समानर वक्र बनाता है। इस प्रकार यह किस प्रकार की पूंजी है?

उत्तर → निश्चित पूंजी।

Working Capital:-

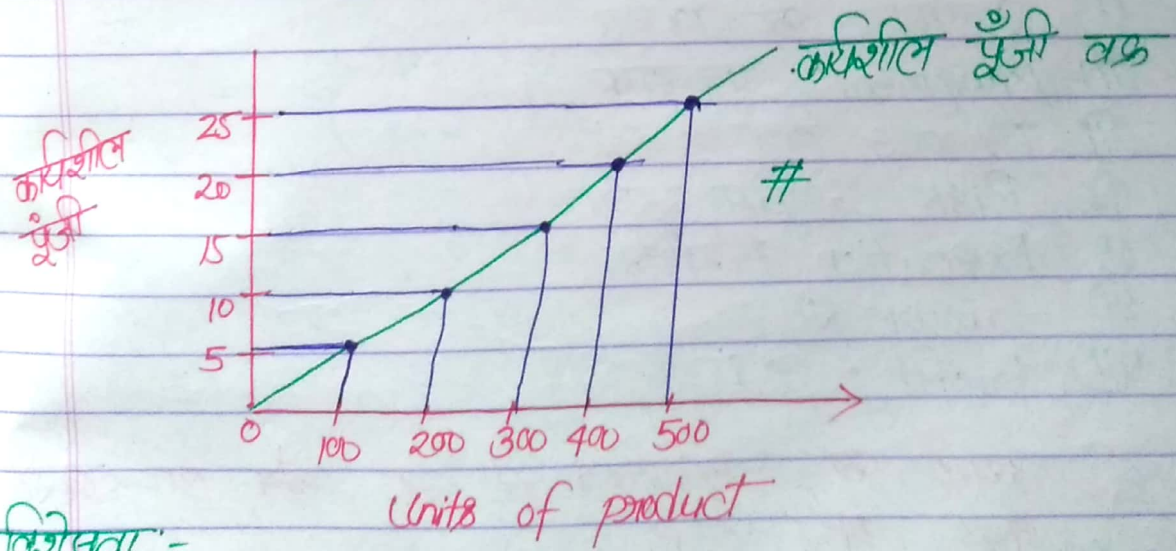
कार्यशील पूंजी, पूंजी का वह प्रकार होती है जिसमें उत्पादन की इकाई बढ़ने पर बढ़ी हो जाती है।

उत्पादन की इकाई

कार्यशील पूंजी

0
100
200
300
400
500

0
5 Lac
10 Lac
15 Lac
20 Lac
25 Lac



विशेषता:-

कार्यशील पूंजी वक्र एक समरूप वक्र होता है।

Entrepreneurship / उद्यमी :-

- to make →
- i) उत्पादन का विचार
 - ii) विचार को कार्यशील होना।

Company K/A Startup Company

- ① Registration
- ② (7 years age) till
- ③ 25 crore in less than in 1 year.

परिभाषा :-

उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो जिसे उत्पादन का विचार आता है एवं वह उस विचार को कार्यशील करता है तो उसे उद्यमी कहते हैं।

कार्य :-

- i) उत्पादन का विचार
- ii) Management प्रबंधन
- iii) Finance पति
- iv) Risk जोखिम उठाना
- v) Execution कार्यशील
- vi) Laboury श्रम
- vii) Profit - लाभ

Q. उद्यमी का निम्नलिखित में से कौन सा सबसे बड़ा कार्य है?

Ans → Risk. जोखिम उठाना, उद्यमी का सबसे बड़ा और मुश्किल कार्य है।

National Income / राष्ट्रीय आय

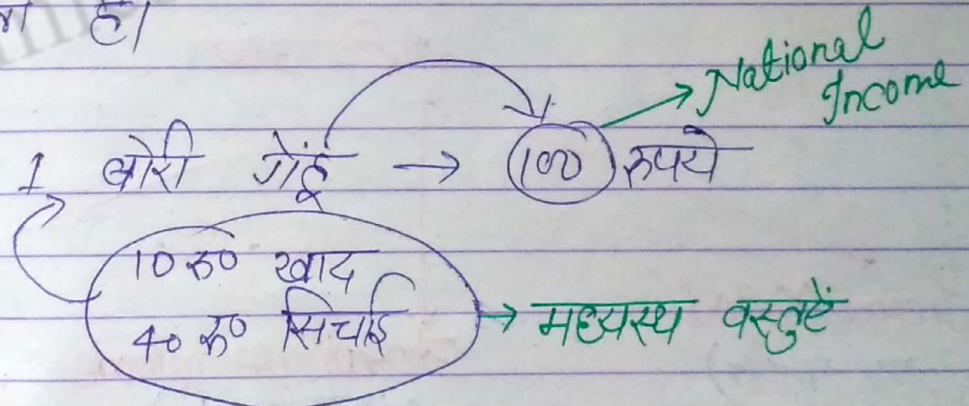
↓ राष्ट्रीय आय किसी निश्चित राष्ट्र में निश्चित समय में उत्पादित वस्तु एवं सेवाओं के अन्तिम मूल्य को कहते हैं।
Final Value

निम्नलिखित चीजों को राष्ट्रीय आय आकलन में शामिल नहीं किया जाता है—

- (i) गैर कानूनी गतिविधियाँ
- (ii) मध्यस्थ वस्तुएँ

→ मध्यस्थ वस्तुएँ वह वस्तुएँ होती हैं जिसमें जिनका प्रयोग कर अन्तिम वस्तुओं का निर्माण किया जाता है, मध्यस्थ वस्तुएँ कहवाती हैं।

e.g



- (iii) व्यक्त आय को भी राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं करते हैं।
- (iv) Stock/व्यापक वस्तुओं को भी राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता है।
- (v) शेयर बाजार से उत्पन्न कमाई को भी राष्ट्रीय आय में नहीं शामिल किया जाता है।

Dada bhai Naorogi [Father of National Income in India]
Book :- Poverty & unbrish rule in India

Dada. Bhai Nehrui:-

:- इसी क्रिया में पहली बार राष्ट्रीय आय की गणना की।

↳ 20 ₹ / person

और वैज्ञानिक पद्धति पर गणना की गई थी।

In 1930

सर्वप्रथम वैज्ञानिक पद्धति पर राष्ट्रीय आय की गणना Dr. V.K. R.V. Rao के द्वारा की गई।

इसके अनुसार उस समय भारत की राष्ट्रीय आय 50 ₹ / person निर्धारित की गई थी।
राष्ट्रीय आय गणना करने के लिये लिये हैं

राष्ट्रीय आय

Income Method
(आय पद्धति)

Rent (क़िराया)
+
Wages (वेतन)
+
Interest (दर्याज)
+
Profit (लाभ) = N.I.

$$NI = R + W + I + P$$

Expenditure method
(व्यय पद्धति)

Value added/
Product/Selling
मूल्यवर्धन/उत्पादन/बिक्री

Expenditure Method / व्यय पद्धति :-

$$\text{Consumption Private / निजी उपयोग पर व्यय} \\ + \text{Government } \gg \gg + \text{Investment (निवेश)} + \text{Export (निर्यात)} - \\ \text{Import (आयात)} \\ = \text{N.I.}$$

$$\text{N.I.} = C + G + I + E - I$$

Value added / Product / Sales Method
(मूल्यवर्धन) (उत्पाद) (विक्री पद्धति)

→ Primary Sector (प्राथमिक क्षेत्र)
 + Secondary Sector (द्वितीयक क्षेत्र)
 + Tertiary Sector (तृतीयक क्षेत्र)

$$= \text{NI}$$

eg. Bread = 50 ₹

		Value addition
Farmer	- Wheat → 20 ₹	20
Flourmill	- Flour → 20 ₹	+10
Bakery	- " " → 30 ₹	+10
Wholesaler	- " " → 40 ₹	+10
Retailer	- " " → 50 ₹	+10
		= 50 ₹

भारत सरकार के अनुसार राष्ट्रीय आय का आकलन
 आरा पद्धति के अनुसार किया जाता है।

#	GDP	Domestic	Product
	सकल	घरेलू	उत्पाद

Bike:- 4 Lac (बाजार में)
 GDP Price $\rightarrow$ (प्राथमिक कीमत)
 सकल मूल्य Initial Price

After two years $\rightarrow$ 1 Lac (Net Price)
 निवल मूल्य
 Current Price
 (वर्तमान मूल्य)

Depreciation = 3 Lac.
 मूल्य ह्रास

GDP (सकल) - depreciation $\rightarrow$ Domestic / घरेलू
 मूल्य ह्रास Net factor income / बाहर से आई आय
 from abroad
 $\Rightarrow$ Net $\Rightarrow$ National राष्ट्रीय
 N ✓

Given	Formula	Result
GDP	GDP - Depre.	NDP
NDP	NDP + Depre.	GDP

Note:- किसी भी इलाक़ा के जिये गये उत्पादन से घरेलू उत्पादन समझा जाता है।
 Product / उत्पाद
 $\rightarrow$ Product / उत्पाद

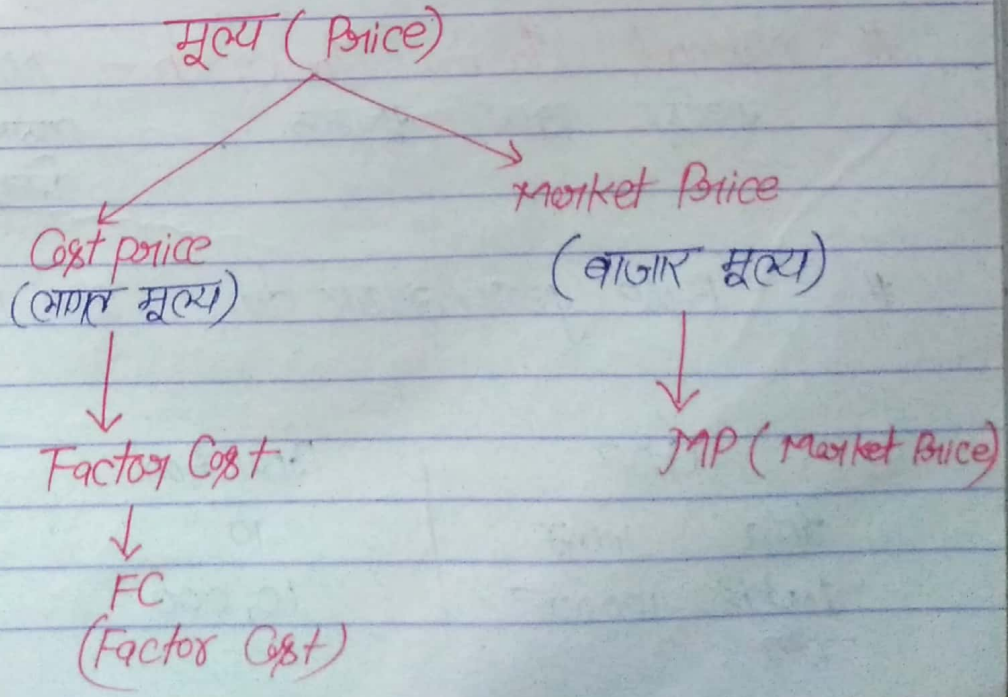
06/12/2019

Page No.:
Date: / /

eg:- GDP = 100 ₹
Depreciation = 5 ₹
NFIA = 10 ₹
बाहर से आई
आय

Given	Formula	Result
(1) GDP 100	GDP - Depre. 100 - 5	NDP Net = 95 ₹
(2) GDP	GDP + NFIA	GNP = ↑ National
(3) GDP	GDP + NFIA - dep	NNP =
(4) GNP	GNP - NFIA - dep	NDP =
(5) NNP	NNP + Dep. - NFIA	GDP =
(6) NDP	NDP + Dep. + NFIA	GNP =

Date
06/12/2019



GDP $\rightarrow$ GDP
FC $\rightarrow$ MP

$$\begin{aligned} &+IT \\ &-Sub. \\ &=GDP_{mp} \end{aligned} \quad \begin{aligned} &FC \text{ (बाजार)} \\ &+ \text{Indirect tax} \\ &\quad \text{(अप्रत्यक्ष कर)} \\ &- \text{Subsidy} \\ &= \text{Market Price} \\ &\quad \text{बाजार मूल्य} \end{aligned}$$

$$\begin{aligned} &M.P. \text{ (बाजार मूल्य)} \\ &+ \text{Subsidy} \\ &- \text{Indirect tax} \\ &= FC \end{aligned}$$

Given	Formula	Result
(1) GDP_{FC}	$GDP_{FC} + I.T. - \text{Subsidy}$	GDP_{mp}
(2) GDP_{mp}	$GDP_{mp} + \text{Subsidy} - I.T.$	GDP_{FC}
(3) GDP_{FC}	$GDP_{FC} - \text{depr.}$	NDP_{FC}
(4) GDP_{mp}	$GDP_{mp} + NFIA - I.T. + \text{Subsidy}$	GNP_{FC}
(5) NDP_{mp}	$NDP_{mp} + \text{depr.} + NFIA - I.T. + \text{Sub.}$	GNP_{FC}

National Income Indication - NNP_{mp}
राष्ट्रीय आय सूचकांक बाजार मूल्यों पर
निकल राष्ट्रीय उत्पाद

Base year/आधार वर्ष : 2011-12

#	GDP	Population
India	100 ₹	10
Pakis	10000 ₹	10,000
China		